अंक-योजना

पूरी तरह से गोपनीय

(केवल आंतरिक और प्रतिबंधित उपयोग के लिए)

सीनियर स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा, 2024

विषय--हिंदी (ऐच्छिक) (Q.P. कोड 29/2/1--3)

Series SRQP2/2

<u>सामान्य निर्देश:-</u>

1	आप जानते हैं कि अभ्यर्थियों के वास्तविक एवं सही मूल्यांकन में मूल्यांकन सबसे महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। मूल्यांकन में एक छोटी-सी गलती गंभीर समस्याओं का कारण बन सकती है, जो उम्मीदवारों के भविष्य, शिक्षा-प्रणाली और शिक्षण को प्रभावित कर सकती है। गलतियों से बचने के लिए आपसे अनुरोध है कि मूल्यांकन शुरू करने से पहले स्पॉट मूल्यांकन दिशानिर्देशों को ध्यान से पढ़ें और समझें।
2	"मूल्यांकन नीति एक गोपनीय नीति है क्योंकि यह आयोजित परीक्षाओं, किए गए मूल्यांकन और कई अन्य पहलुओं की गोपनीयता से संबंधित है। इसके किसी भी तरह से जनता के बीच लीक होने से परीक्षा-प्रणाली पटरी से उतर सकती है और लाखों उम्मीदवारों के जीवन और भविष्य पर असर पड़ सकता है। इस नीति/दस्तावेज़ को किसी के साथ साझा करने, किसी पत्रिका में प्रकाशित करने और समाचार पत्र/वेबसाइट आदि में छापने पर बोर्ड और आईपीसी के विभिन्न नियमों के तहत कार्रवाई हो सकती है।'
3	मूल्यांकन अंक-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार किया जाना है। इसे अपनी व्याख्या या किसी अन्य विचार के अनुसार नहीं किया जाना चाहिए। अंक-योजना का कड़ाई से पालन किया जाना चाहिए। हालाँकि, मूल्यांकन करते समय, जो उत्तर नवीनतम जानकारी या ज्ञान पर आधारित हैं और/या नवीन हैं अथवा उनकी सत्यता का मूल्यांकन किया जा सकता है उन्हें उचित अंक दिए जा सकते हैं। योग्यता-आधारित प्रश्नों का मूल्यांकन करते समय, कृपया दिए गए उत्तर को समझने का प्रयास करें भले ही उत्तर अंक-योजना से न हो, लेकिन उम्मीदवार द्वारा सही योग्यता गिनाई गई हो, उचित अंक दिए जाने चाहिए।
4	अंक-योजना में उत्तरों के लिए केवल सुझाव-बिंदु दिए गए हैं। ये केवल दिशानिर्देशों की प्रकृति में हैं और संपूर्ण उत्तर नहीं बनाते हैं। विद्यार्थियों की अपनी अभिव्यक्ति हो सकती है और यदि अभिव्यक्ति सही है तो उसके अनुसार उचित अंक दिये जाने चाहिए।
5	मुख्य-परीक्षक को पहले दिन प्रत्येक मूल्यांकनकर्ता द्वारा मूल्यांकित पहली पाँच उत्तर-पुस्तिकाओं को देखना होगा, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि मूल्यांकन अंक-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार किया गया है। यदि कोई भिन्नता हो तो विचार-विमर्श के बाद उसे शून्य किया जाए।

	मूल्यांकन के लिए शेष उत्तर-पुस्तिकाएँ यह सुनिश्चित करने के बाद ही दी जाएँगी कि मूल्यांकनकर्ताओं के अंकन में कोई महत्वपूर्ण भिन्नता नहीं है।
6	जहाँ भी उत्तर सही होगा, मूल्यांकनकर्ता (√) अंकित करेंगे। गलत उत्तर के लिए क्रॉस **'X'** अंकित किया जाए।
7	यदि किसी प्रश्न के कुछ भाग हैं, तो कृपया प्रत्येक भाग के लिए दाहिनी ओर अंक दें। फिर प्रश्न के विभिन्न भागों के लिए दिए गए अंकों को जोड़ दिया जाना चाहिए और बाएं हाथ के हाशिये में लिखा जाना चाहिए और घेरा बनाया जाना चाहिए। इसका सख्ती से पालन किया जाए।
8	यदि किसी प्रश्न में कोई भाग नहीं है तो बाएं हाथ के हाशिए में अंक दिए जाने चाहिए और घेरा लगाना चाहिए। इसका भी सख्ती से पालन किया जाए।
9	**यदि किसी छात्र ने अतिरिक्त प्रश्न किया है तो अधिक अंक प्राप्त उत्तर मान्य हो और कम अंक आने वाले उत्तर को 'अतिरिक्त प्रश्न'–इस नोट के साथ काट दिया जाए।**
10	किसी त्रुटि के संचयी प्रभाव के लिए कोई अंक नहीं काटा जाएगा। इसके लिए केवल एक बार दंडित किया जाना चाहिए।
11	अंकों का एक पूरा पैमाना 0 से 80 का उपयोग करना होगा। यदि उत्तर योग्य है तो कृपया पूर्ण अंक देने में संकोच न करें।
12	प्रत्येक परीक्षक को आवश्यक रूप से पूरे कार्य समय अर्थात प्रतिदिन 8 घंटे तक मूल्यांकन कार्य करना होगा तथा मुख्य विषयों में प्रतिदिन 20 उत्तर पुस्तिकाओं तथा अन्य विषयों में प्रतिदिन 25 उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करना होगा (स्पॉट गाइडलाइन्स में विवरण दिया गया है)। प्रश्न-पत्र में कम किये गये पाठ्यक्रम और प्रश्नों की संख्या।
13	सुनिश्चित करें कि आप अतीत में मूल्यांकनकर्ता द्वारा की गई निम्नलिखित सामान्य प्रकार की त्रुटियाँ न करें:- ● उत्तर पुस्तिका में उत्तर या उसके किसी भाग को बिना मूल्यांकन किये छोड़ देना। ● किसी उत्तर के लिए निर्धारित अंक से अधिक अंक देना। ● किसी उत्तर पर दिए गए अंकों का गलत योग। ● उत्तर पुस्तिका के अंदर के पन्नों से मुख्य पृष्ठ पर अंकों का गलत स्थानांतरण। ● शीर्षक पृष्ठ पर प्रश्नों के अंकों का गलत योग। ● शीर्षक पृष्ठ पर दो कॉलमों के अंकों का गलत योग। ● गलत कुल योग। ● शब्दों और अंकों में लिखे गए प्राप्तांकों का परस्पर मेल न खाना/समान न होना। ● उत्तर पुस्तिका से ऑनलाइन अंक-सूची में अंकों का गलत स्थानांतरण। ● उत्तरों को सही के रूप में चिह्नित किया गया, लेकिन अंक नहीं दिए गए।

	• उत्तर के आधे या कुछ भाग को सही और शेष को गलत चिह्नित किया गया, लेकिन कोई अंक नहीं दिया गया।
14	उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करते समय यदि उत्तर पूरी तरह से गलत पाया जाता है, तो इसे क्रॉस (X) के रूप में चिह्नित किया जाना चाहिए और शून्य (0) अंक दिए जाने चाहिए।
15	किसी भी मूल्यांकन न किए गए भाग, शीर्षक पृष्ठ पर अंक न ले जाना या उम्मीदवार द्वारा पाई गई कुल त्रुटि से मूल्यांकन कार्य में लगे सभी कर्मियों और बोर्ड की प्रतिष्ठा को नुकसान होगा। इसलिए, सभी संबंधित पक्षों की प्रतिष्ठा बनाए रखने के लिए, यह फिर से दोहराया जाता है कि निर्देशों का सावधानीपूर्वक और विवेकपूर्ण तरीके से पालन किया जाए।
16	परीक्षकों को वास्तविक मूल्यांकन शुरू करने से पहले **'स्पॉट मूल्यांकन के लिए दिशानिर्देश'** में दिए गए दिशानिर्देशों से परिचित होना चाहिए।
17	प्रत्येक परीक्षक यह भी सुनिश्चित करेगा कि सभी उत्तरों का मूल्यांकन किया गया है, अंकों को मुख पृष्ठ पर ले जाया गया है, सही ढंग से योग किया गया है और अंकों और शब्दों में लिखा गया है।
18	उम्मीदवार निर्धारित प्रसंस्करण शुल्क का भुगतान करके अनुरोध पर उत्तर पुस्तिका की फोटोकॉपी प्राप्त करने के हकदार हैं। सभी परीक्षकों/अतिरिक्त मुख्य परीक्षकों/मुख्य परीक्षकों को एक बार फिर याद दिलाया जाता है कि उन्हें यह सुनिश्चित करना होगा कि मूल्यांकन अंक-योजना में दिए गए प्रत्येक उत्तर के लिए मूल्य बिंदुओं के अनुसार सख्ती से किया गया है।

प्रश्न-पत्र कोड 29/2/1, 2, 3
अंक-योजना
हिन्दी (ऐच्छिक)

Series SRQP2/2

निर्धारित समय : 3 घंटे	अधिकतम अंक : 80

क्र. सं.	प्रश्न-पत्र कोड			उत्तर-संकेत	अंक
	29/2/1 प्रश्न सं.	29/2/2 प्रश्न सं.	29/2/3 प्रश्न सं.		
1	**1**	**2**	**1**	**खंड-अ** **(वस्तुपरक प्रश्न)** **अपठित गद्यांश पर आधारित प्रश्न--** (i) (D) विलुप्त होती बोलियाँ और भाषाएँ (ii) (B) ये पारंपरिक ज्ञान का भंडार होती हैं। (iii) (B) परंपरागत ज्ञान-प्रणाली का (iv) (C) अंग्रेज़ी – ईसाई (v) (D) प्रत्येक व्यक्ति का विकास (vi) (B) जनजातीय भाषाओं (vii) (C) मातृ-भाषा को विशेष महत्त्व न देना (viii) (C) कथन I और III सही हैं। (ix) (C) दस हजार से भी कम लोगों द्वारा बोली जाने वाली भाषाओं और बोलियों को (x) (A) बोलियों और भाषाओं को संरक्षण प्रदान करना	**10 x 1 =10**
2	**2**	**1**	**2**	**अपठित काव्यांश पर आधारित प्रश्न--** (i) (C) धरती पर हल चलाकर	**8 x 1=8**

				(ii) (D) बंजर धरती को उपजाऊ बनाता है (iii) (C) दिन की गर्मी और रात की सर्दी (iv) (A) कठोर परिश्रम करने की क्षमता से युक्त होने के कारण (v) (C) मिट्टी पर हल चला फ़सल उगाना (vi) (D) जीवनयापी साधन प्रदान करने के कारण (vii) (B) धरती के गर्भ से (viii) (D) कथन I, II और IV सही हैं।	
3	**3**	**4**	**4**	**अभिव्यक्ति और माध्यम पर आधारित प्रश्न--** (i) (B) राजनीतिक (ii) (A) शब्द परदे पर दिखने वाले दृश्य के अनुकूल हों (iii) (A) पाठकों की रुचियाँ, दृष्टिकोण (iv) (D) II और III दोनों (v) (A) उलटा पिरामिड शैली में	**5 x 1=5**
4	**4**	**5**	**6**	**पठित काव्यांश पर आधारित प्रश्न--** (i) (A) पारंपरिक जीवन-शैली को (ii) (C) गंगा के प्रति आस्था और विश्वास पहले जैसा है। (iii) (B) गंगा संबंधी परंपराएँ और मान्यताएँ उसी रूप में विद्यमान हैं। (iv) (D) वहाँ का धार्मिक और ऐतिहासिक वातावरण वैसा ही बना हुआ है। (v) (C) प्राचीनता, आध्यात्मिकता, आस्था और विश्वास	**5 x 1=5**
5	**5**	**6**	**5**	**पठित गद्यांश पर आधारित प्रश्न--** (i) (D) हिमालय पर्वत के प्राकृतिक सौंदर्य का (ii) (A) अरब सागर और बंगाल की खाड़ी (iii) (A) शिव की जटाएँ	**5 x 1=5**

				(iv) (A) सूखी नीरस वनस्पति का होना (v) (B) कथन और कारण दोनों सही हैं, किंतु कारण, कथन की सही व्याख्या नहीं करता है।	
6	**6**	**3**	**3**	**पूरक पाठ्यपुस्तक (अन्तराल) पर आधारित प्रश्न--** (i) (C) पानी में मछली ढूँढने वाले आदमी से (ii) (A) पश्चात्ताप (iii) (A) खेल में रोते हो, कथन को सुनकर (iv) (C) प्राकृतिक सौंदर्य (29/2/1) (D) पशुओं के लिए चारे की कमी (29/2/2) (A) लेखक और उसका गाँव (29/2/3) (v) (A) माँ की बच्चों के प्रति ममता की भावना (vi) (B) उस पर बाँध बनाए जाने के कारण (vii) (D) कथन और कारण दोनों सही हैं और कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।	**7 x 1=7**
7	**7**	**7**	**7**	**खंड –ब** **(वर्णनात्मक प्रश्न)** **किसी एक विषय पर 100 शब्दों में रचनात्मक लेखन--** विषयवस्तु : 3 अंक भाषा : 1 अंक प्रस्तुति : 1 अंक	**5**
8	**8**	**9**	**9**	**(अभिव्यक्ति और माध्यम पुस्तक पर आधारित)** **किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में अपेक्षित --** (क) (1+2) • किसी घटना, पात्र या समस्या का क्रमबद्ध ब्यौरा जिसमें परिवेश, द्वंद्वात्मकता, कथा का क्रमिक विकास और चरमोत्कर्ष हो, कहानी कहा जाता है।	**2 x 3=6**

				• हर आदमी में अपने जीवन के अनुभव बाँटने और दूसरों के अनुभवों को जानने की प्राकृतिक इच्छा • कहानी कहना या लिखना मानव की स्वाभाविक प्रवृत्ति (ख)• शब्द-चयन, आंतरिक लय, तुकबंदी, वाक्य- संरचना, भाव, कल्पना, विचार, परिवेश, बिंब और छन्द • किन्हीं दो का संक्षिप्त वर्णन (ग)• नाटक की सफलता उसके मंचन में है इसीलिए नाटककार में यदि शिल्प या संरचना की पूरी समझ, जानकारी या अनुभव नहीं होगा, तो नाटक की सफलता संशयात्मक • कहानी के रूप-शिल्प, फॉर्म अथवा संरचना के रूप की जानकारी होना आवश्यक • घटनाओं, स्थितियों अथवा दृश्यों का चुनाव और इनकी क्रमबद्धता की जानकारी • पात्र-संयोजना, परिवेश, ध्वनि और प्रकाश व्यवस्था का सम्यक ज्ञान	
9	**9**	**8**	**8**	**प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में अपेक्षित --** (क)• समाचार लेखन में वस्तुनिष्ठता और तथ्यों की शुद्धता पर जोर दिया जाना जबकि फीचर लेखन में लेखक के पास अपनी भावनाएँ, दृष्टिकोण अभिव्यक्त करने का अवसर होना • समाचार – उलटा पिरामिड शैली, फीचर– कथात्मक शैली • समाचारों की भाषा में सपाट बयानी, फीचर की भाषा सरल, रूपात्मक, आकर्षक और मन को छूने वाली • समाचारों की शब्द सीमा सीमित, फीचर में 250–2000 शब्दों तक विस्तार संभव (ख)• इलैक्ट्रॉनिक माध्यम साक्षर-निरक्षर दोनों के लिए उपयोगी है लेकिन मुद्रित माध्यम निरक्षरों के लिए अनुपयोगी	**2x3=6**

				• इलैक्ट्रॉनिक माध्यमों में तात्कालिक घटनाओं के प्रसारण और त्रुटि-सुधार की सुविधा, मुद्रित माध्यमों में यह सुविधा नहीं • इलैक्ट्रॉनिक माध्यमों में घटना-स्थल के चित्र, सीधा प्रसारण, प्रत्यक्षदर्शियों के कथन इत्यादि की सुविधा, मुद्रित माध्यमों में नहीं	
10	**10**	**10**		**पद्य खण्ड पर आधारित किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में अपेक्षित--** (क)• भारत की प्राकृतिक और सांस्कृतिक विशेषता का गुणगान • अनंत से आती हुई लहरों का यहाँ किनारा प्राप्त कर शांत हो जाना अर्थात् अनजानों को भी यहाँ आकर आश्रय मिलना (ख)• सागर – समाज/ विराट और बूँद– व्यक्ति • जीवन में क्षण के महत्त्व को, क्षणभंगुरता को (ग)• राम-वन-गमन का स्मरण करके माता कौशल्या का चित्रवत् होना • माता कौशल्या के वात्सल्य-वियोग की पराकाष्ठा (क)• भारत की प्राकृतिक सुंदरता का वर्णन • प्रात:कालीन वातावरण की सुंदर झाँकी • उषा रूपी सुंदरी का आकाश रूपी कुएँ से सूर्य रूपी कलश में सुनहरे प्रकाश रुपी मंगल जल को लेकर भारतवासियों पर सुख रूपी वर्षा करना अर्थात भारतवासियों पर प्रकृति की असीम कृपा होना (ख)• दीपक मानव का प्रतीक, उसका अपना विशेष अस्तित्व • समाज का अंग होकर भी समाज से पृथक अस्तित्व • अपनी योग्यता के आधार पर अंधकार को भेदने का सामर्थ्य • विराट का अंश होते हुए भी उसका महत्त्व कम नहीं	**2 x 2=4**

				(ग)● राम के विरह में दु:खी घोड़ों का दिन-प्रतिदिन दुर्बल होना ● भरत द्वारा सौ गुनी देखभाल करने पर भी घोड़ों का ऐसे शिथिल, सुस्त और कांतिहीन हो जाना जैसे हिमपात के कारण कमल के फूल का मुरझा जाना	
			10	(क)● भारत की प्राकृतिक सुषमा का वर्णन ● सूर्योदय के समय सूर्य की सुनहरी किरणों के ताम्रवर्णी प्रकाश का पेड़ों की ऊँची-ऊँची चोटियों पर पड़ना और उनका मनोहर नृत्य करता हुआ-सा प्रतीत होना (ख)● सर्वगुण संपन्न व्यक्ति (व्यष्टि) का विलय समाज (समष्टि) में होने से उसका और समाज का विकास होना ● व्यक्तिगत सत्ता को सामाजिक सत्ता से जोड़ने पर समाज और राष्ट्र का मजबूत होना (ग)● राम का अति विनम्र, शांत और कोमल स्वभाव होना ● क्रोध से परे, अपराधी पर भी क्रोध न करना ● क्षमाशील	
11	**11**	**11**	**11**	**किसी एक काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या--** संदर्भ – 1 अंक (कवि और कविता का नाम) प्रसंग – 1 अंक (पूर्वापर संबंध) व्याख्या – 3 अंक विशेष – 1 अंक कवि – सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' कविता –सरोज-स्मृति **अथवा** कवि—विद्यापति कविता –पद	**6**
12	**12**			**गद्य खंड पर आधारित दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में अपेक्षित--** (क)● मुक्त उत्तर	**2 x 2=4**

				• छात्रों के तर्कपूर्ण पक्ष या विपक्ष में लिखे विचारों पर उचित अंक दिए जाएँ। **यथा :** **पक्ष में :**हाँ, हम भी कार्य की सफलता के लिए अपने घर के आस-पास स्थित मंदिर में जाते हैं। ईश्वर से आशीर्वाद की कामना करते हैं। परिश्रम के साथ ईश्वर की कृपा की भी अभिलाषा रखते हैं। **विपक्ष में :**नहीं, हम अपने परिश्रम पर विश्वास रख, अपने माता-पिता के आशीर्वाद को प्राप्त कर अपने लक्ष्य को प्राप्त करने की कोशिश करते हैं। (ख)• गौतम बुद्ध की मुद्रा में बैठा शेर प्रतीक है-- सत्ताधारी वर्ग का और सत्ता तभी तक खामोश रहती है जब तक जनता आँख मूँदकर उसकी आज्ञा का पालन करती रहे। • लेखक शेर की असलियत अन्य जानवरों (प्रजा) के बीच स्पष्ट करना चाहता था, उसकी पोल खोल रहा था, उसका विरोध कर रहा था। (ग) • ईश्वर भावनाओं, सच्ची आस्था और श्रद्धा को महत्त्व देते हैं, धन और पद को नहीं, ईश्वर को पाने या प्रसन्न करने के लिए किन्हीं बाहरी साधनों की आवश्यकता नहीं। (बाजीगर का उदाहरण भी दिया जा सकता है)	
		12		(क) • भारतीय संस्कृति की पहचान— 'अतिथि देवो भव' • फिलिस्तीनी नेता अराफ़ात द्वारा लेखक और उसके परिवार के स्वागत के लिए खड़े रहना, खाने की मेज पर अपने हाथों से फल छीलकर देना, गुसलखाने के बाहर तौलिया लेकर खड़े रहना— आतिथ्य सत्कार : भारतीय संस्कृति का परिचायक (ख)• पूँजीपति वर्ग द्वारा भाँति-भाँति के उपाय कर मज़दूरों को पंगु बनाने का प्रयास	

			12	• उनके अहम और अस्तित्व को छिन्न-भिन्न करने के नए-नए तरीके ढूँढना और अंततः उनकी अस्मिता ही समाप्त कर देना • लाचारी में आधी मजदूरी पर भी मजदूरों का काम करने के लिए तैयार होना (ग)• मंदिर में संभव के बिलकुल नजदीक आकर खड़ी लड़की के कल फिर आने के लिए प्रयुक्त 'हम' शब्द का पंडित जी द्वारा युगल अर्थ लेकर आशीर्वाद देना (क)• मंदिर में हुई छोटी-सी मुलाकात से लड़की (पारो) के मन में भी प्रेम का अंकुर स्फुटित होना • संभव से पुन: मिलने के लिए, उसे पाने के लिए मंसा देवी पर एक और चुनरी चढ़ाने का संकल्प लेना और तभी संभव से उसकी मुलाकात हो जाना अर्थात् मनोकामना की गांठ का तत्काल फलीभूत हो जाना (ख)• विश्वास जीत लेने पर प्रमाण की महत्ता का गौण हो जाना • शेर की हिंसक प्रवृति से परिचित होने के बावजूद शेर द्वारा सहअस्तित्ववादी और बुद्ध समर्थक होने की बात कह कर विश्वास जीत लेने से बिना प्रमाण माँगे उसके मुँह में जानवरों का बेझिझक प्रवेश करते चले जाना (ग)• रोगी बालक के फूले पेट को देखकर गाँधी जी द्वारा उसके पेट पर हाथ फेरना, उसे प्यार से सहारा देकर उठाना, उल्टी करने को कहना • दिक् के मरीज से भी प्रतिदिन उसका हाल-चाल पूछना, उसकी सेवा-सुश्रूषा करना • गांधी जी की चारित्रिक विशेषता—सहानुभूति, परसेवाभाव और आत्मीयता से परिपूर्ण व्यवहार	
13				**किसी एक गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या --** संदर्भ – 1 अंक (पाठ, लेखक का नाम)	**6**

				प्रसंग – 1 अंक (पूर्वापर संबंध) व्याख्या – 3 अंक विशेष – 1 अंक	
	13	**13**		(क) पाठ—सुमिरिनी के मनके (घड़ी के पुर्ज़े) लेखक – पं. चंद्रधर शर्मा गुलेरी **अथवा** (ख) पाठ—जहाँ कोई वापसी नहीं लेखक – निर्मल वर्मा	
			13	(क) पाठ—जहाँ कोई वापसी नहीं लेखक – निर्मल वर्मा **अथवा** (ख) पाठ—सुमिरिनी के मनके (घड़ी के पुर्ज़े) लेखक – पं. चंद्रधर शर्मा गुलेरी	
14	**14**			**किसी एक प्रश्न का उत्तर लगभग 60 शब्दों में अपेक्षित--** (क) (1+2) • तत्कालीन समाज में नारी की स्थिति सम्मानजनक न होना • उनके चरित्र पर संदेह किया जाना (सुभागी और सूरदास वाला प्रसंग—प्रमाण के रूप में) • उनके साथ मारपीट तक किया जाना **परिवर्तन-** • वर्तमान समाज में शिक्षा, अधिकारों के प्रति चेतना, महिला कानून आदि के कारण नारी की स्थिति में अपेक्षाकृत सुधार • नारी का चरित्र आज भी संदेहास्पद, लैंगिक भेदभाव आज भी विद्यमान **अथवा** (ख)• प्रकृति उनकी सहचरी	**3**

				• ग्रामीण समाज की दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति— ईंधन, भोजन, जलापूर्ति आदि पूरी तरह प्रकृति पर ही निर्भर • प्राकृतिक जड़ी-बूटियों और फूलों से रोगों का इलाज • प्रकृति का कण-कण उनके लिए सजीव, उससे बात करना, उसे महसूस करना, उसे जीना उनके लिए सहज	
		14		(क) (1+2) • स्त्री-पुरुष के अधिकारों में असमानता, पराये घर में रात बिताने से स्त्री के चरित्र पर संदेह, बालविवाह, कालुष्य को दूर करने के लिए ब्रह्म भोज **दूर करना** • समाज में व्याप्त इस प्रकार की कुप्रथाओं को रोकने के लिए लोगों को जागरूक करना, शिक्षा के प्रसार पर बल , समाज में व्याप्त आडंबर का पर्दाफाश करना, कानूनी संरक्षण **अथवा** (ख) • ग्रामीण जीवन अधिक संघर्षपूर्ण • दैनिक सुविधाओं का अभाव • प्राकृतिक आपदाओं के समय जलावन और भोजन की कमी • बाढ़ के कारण साँप-बिच्छू जैसे हानिकारक जीवों का खतरा, दिशा-मैदान की परेशानी • चिकित्सा संबंधी सुविधाओं का अभाव	
			14	(क) (1+2) • सुभागी को जगधर द्वारा जब यह ज्ञात हुआ कि भैरों ने न केवल सूरदास की झोपड़ी में आग लगाई है बल्कि वह उसकी जीवनभर की पूँजी भी उठा ले गया है, तब उसने भैरों के घर जाने का निश्चय किया	

				जिससे वह सूरदास की पोटली खोजकर उसे लौटा सके **चरित्र की विशेषता** • न्याय को अपने प्रण से ऊपर मानने वाली • सत्य की पक्षधर • सूरदास द्वारा आड़े समय में दिए जाने वाले साथ के कारण सुभागी में कृतज्ञता का भाव **अथवा** (ख) • फूल प्रकृति का श्रृंगार हैं। साथ-ही-साथ वे औषधीय गुणों से भी परिपूर्ण हैं। जैसे – <u>फूल</u> — <u>औषधीय गुण</u> भरभंडा — आँख की बीमारी में लाभदायक नीम के फूल — चेचक की बीमारी बेर के फूल — बर्रे-ततैये का डंक झाड़ने में	